

mitted and may be due to a state having been fixed and the application having to be disposed of by that date, the applications are technically rejected and they are asked to resubmit them. In this case I do not know the exact reason for which he says the application was rejected. I will look into it.

SHRI K. S. CHAVDA: The Minister said that M/s. Pfizer's application is under consideration. While considering it, will Government take into consideration the fact that if doxycycline is imported instead of giving licence to M/s. Pfizer to manufacture it, the country will save about Rs. 2 to 3 crores by way of foreign exchange?

SHRI SHAHNAWAZ KHAN: It is our policy to try to produce bulk drugs which are being imported at present. When some firms submit an application for import of such bulk drugs, one of the conditions for granting the licence is that within a specified period they will start manufacturing that particular drug in the country. It is on that principle that we grant licences not only to M/s Pfizer but to other firms also.

SHRI K. S. CHAVDA: Out of parts (a) to (d) part (c) of my question has not been answered. In Part (c) I had asked as to what would be the impact on IDPL in case Doxycycline is approved and recommended for licensing to Pfizer. IDPL is already incurring losses. It will incur more losses.

SHRI SHAHNAWAZ KHAN: Whenever any applications are received for import of any particular drug, we take into consideration the indigenous production capacity available in the country and also we keep very well in view the interests of any public sector undertaking that is involved. Only after giving due consideration to the interests of the public sector organisation we take a decision

मध्य प्रदेश में आदिवासियों द्वारा रेल गाड़ियों का लूटा जाना

* 449. श्री भगीरथ भंडार : क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि

(क) क्या फरवरी, 1974 के अन्त में रत्नगढ़ (मध्य प्रदेश) के निकट एक रेलवे स्टेशन पर आदिवासियों द्वारा एक बंगला लूटने के प्रयास में रेलवे सुरक्षा दल की गाड़ी से एक आदिवासी की मृत्यु हो गई थी;

(ख) क्या आदिवासियों द्वारा इस प्रकार लूटने की घटना पहले भी हुई है, और

(ग) यदि हा, तो ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए सरकार द्वारा क्या प्रयास किए जा रहे हैं ?

THE DEPUTY MINISTER IN THE MINISTRY OF RAILWAYS (SHRI MOHD SHAFI QURESHI): (a) and (b). Yes, Sir.

(c) With a view to prevent incidents of looting of wagons by miscreants, the following special preventive measures have already been taken:—

1. Goods trains running at night in the Section are escorted by Armed RPF personnel.
2. Pickets have been posted at vulnerable stations like Megh Nagar, Udaigarh, Bajrangar and Annas.
3. Railway track in vulnerable areas in this section is being intensively patrolled by the Police supplemented by Armed RPF personnel.

श्री भगीरथ भंडार अध्यक्ष महोदय, मैंने अपने प्रश्न में पूछा था कि इस के अलावा भी इस लाइन पर लूट हुआ करती है ? तो उस का कोई उत्तर मंत्री जी ने नहीं दिया। मैं जानना चाहता हूँ कि इस मार्ग पर निरंतर लूट हुआ करती है उसका कारण क्या है ? और अभी तक जितनी लूटपाट हुई है उस सिंसेसिले में कितनों का पता लग चुका है और कितना माल बरामद किया गया है। क्या इन लूटपाटों से रेलवे के कर्मचारियों का भी

हाथ होता है ? तो शासन ने इस सम्बन्ध में क्या कार्यवाही की है ?

श्री मुहम्मद शफी कुरैशी : मान्यवर, यह जो सेकशन है इस पर लूट मार के वाकयात होते रहते हैं। 1972 में यहा लूट क 6 वाकयात हुए और आर० पी० एफ० का एक बार गोली चलानी पडी। 1973- में वाकयात हुए जिन में 6 बार गोली चलानी पडी जिस से एक मुजरिम मारा गया है, और जो ताजा मामला हुआ है इस में भी आर० पी० एफ० को गोली चलानी पडी और उस में एक आदमी मारा गया है। अब चोरी क्यों करते है यह तो चोरो को मालूम होगा। इस इलाके में खास कर खुराक की गाडिया की लट की जाती है।

श्री भागीरथ अबर : मंत्री जी न बताया कि यहा निरन्तर लूटपाट होती है में जानना चाहता हू कि क्या इस क्षेत्र में भुखमरी और बेकारी अधिक है इसी कारण लूट हुआ करती है ?

अध्यक्ष महोदय : आप ने सवाल रेलवे के बारे में पूछा, लेकिन अब आप भुखमरी और बेकारी के बारे में उन से पूछ रह है। क्या आप का मतलब है कि भुखमरी होती है इसलिए गोली न चलाया कर लट देने दिया कर ? रेलवे मिनिस्टर को क्या पना कि कबो ऐसा हो रहा है ?

श्री भागीरथ अबर : मैं जानना चाहता हू कि कारण क्या हैं जो निरन्तर लूट-मार होती है। क्या शासन ने इस का पता लगाया है कि इस का एक मात्र कारण यह है कि भुखमरी और बेकारी की वजह से ही लोग गाडियो को लूट करते हैं ?

MR. SPEAKER: The hon. Member wanted factual information which he gave. It is not a very relevant question.

श्री राज लहाय चौडे : मंत्री जी ने बताया कि आदिवासियों ने ट्रेन को लूटा तो आप ने यह कैसे जान लिया कि आदिवासियों ने ही लूटा। यह उन के चरित्र पर लांछन है।

श्री मुहम्मद शफी कुरैशी : जिन आदमी का पुलिस न गोली मारी थी वह पहले जश्मी हुआ और उस न चार और आदमियों का नाम बताया और पाचा के पाचों आदिवासी है।

श्री हुकम चन्द कडुबाय : मंत्री जी ने मूल प्रश्न के उत्तर में बताया है कि वहा पर बहुत लूट पाट हाानी है 1973 में 8 लूटपाट की घटनाय हुई इस क पहलु भी अनेकों हुई है और प्राय अनाज के वैनो का लूटा जाता है। इस में स्पष्ट है कि बेकारी भुखमरी है। वहा का आदिवासी 50 पैसे राज कमाता है।

अध्यक्ष महोदय : वह भी यही पूछ रहे थे जिन का मैं न राका। फिर आप क्यों पूछ रहे है ?

श्री हुकम चन्द कडुबाय : मंत्री जी न स्वीकार किया कि अनाज की गाडिया लूटी जाती है उस क्षेत्र में और वहा का आदिवासी 50 पैसे राज कमाता है इसलिए केवल गाडिया ही नहीं अपितु यात्रियों का और उन के सामान को भी लूटते हैं। ता क्या आप उस क्षेत्र में अधिक अनाज भेजने की व्यवस्था करेंगे या मध्य प्रदेश सरकार को इन बात का प्रादब दें कि जा भुखमरी है उस को दूर करने के लिए वह अधिक अनाज भेजें जिन से रेल गाडी का लूटना बन्द हो ?

MR. SPEAKER: This should be addressed to the other Minister

उनका काम अपना भेजना नहीं है उन का काम गोनी चलाना है। अगर कोई गाड़ी मूटेंगे तो उन से यह निपटेंगे। अगर आप को बेकारी मुहम्मरी का प्रश्न करना है या दूसरे मंत्री को सवाल भेजिये।

श्री अटल बिहारी वाजपेयी : अध्यक्ष जी आप ने ठीक कहा कि रेल मंत्री का काम गोनी चलाना है।

अध्यक्ष महोदय जी नहीं उम का मतलब यही है कि प्राटैक्ट करना है सामान का। इसलिए माननीय कृष्णाय जी का प्रश्न हम से ताल्लुक नहीं रखना है।

श्री राम सिंह भाई मंत्री जी ने कहा कि इस लाइन पर अक्सर लूट पाट होती है। क्या इस मामले में उन्होंने साचा है कि गोनी चलाने के अलावा कोई और उपाय है जिस में लूटपाट न हो ?

अध्यक्ष महोदय यही तो वह भी पूछ रहे हैं। आप ने कांटेक्ट बात तो नहीं की।

श्री अटल बिहारी वाजपेयी अध्यक्ष जी उन का सवाल उचित है कि गोनी चलाने के अलावा कुछ और बंदम उठाने की मांग रहे हैं ?

श्री मुहम्मद शफी कुरैशी पत्रों गोनी नहीं चलायी जाती है पहले उन का चेन्जे किया जाता है। इस मामले में जब उन को चेन्जे किया गया था वह भाबे और चक्कू छुरिया निकाल कर भार० पी० स्के० पर हमला किया। इसलिए पुलिस को सेन्फ डिफ्रेंस में गोनी चलानी पडी।

श्री एम० एम० बखर्जी लूटने की नीवत तब आयी है जब अपना बन्द बैगनों

में भेजा जाता है। क्या मंत्री जी कोशिश करने कि अपना बन्द खुले बैग में भेजे ताकि इन को नीवत न आये और आदमी सामानों में सामान ले जा सके और फिर पुलिस का गोनी न चलानी पडे ?

Wagons lying idle for Repairs

*450 SHRI PATPINGSINGHRAO GABKWAD Will the Minister of RAILWAYS be pleased to state

(a) the number of wagons lying idle in Railways awaiting repairs or under-repairs and

(b) the steps taken or proposed to be taken to overhaul these wagons?

THE DEPUTY MINISTER IN THE MINISTRY OF RAILWAYS (SHRI MOHD SHAFI QURESHI) (a) and (b) A statement is laid on the Table of the Sabha

Statement

(a) Wagons are not lying idle indefinitely in shops or sick lines awaiting repairs or under repairs but are regularly attended to and made fit for traffic on day to day basis. The present daily average number of such Broad Gauge and Metre Gauge wagons under repair or awaiting repairs are 19437 in terms of four wheeler units

(b) The following steps have been programmed for execution in the Fifth Plan period

(i) The Sickness are being modernised and expanded for effective and rapid repairs of Sick Wagons.

(ii) Additional capacity for overhauling the wagons in workshops is being created by.